एस. पी. जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई

गुरुकुल सन्देश

Email- spjaingurukul@gmail.com Web.- Www.gurukulkhurai.com माह-जून-2017, अंक-46

प्राचार्य की कलम से-

ज्ञान क्रांति हेतु स्वागतातुर गुरुकुल परिवार

डॉ. राजकुमार नामदेव

नवीन सत्र में ज्ञानक्रांति के अग्रदूत शिक्षकों का स्वागत है। स्वागत है जिज्ञासु छात्रों का व जागरुक अभिभावकों का स्वागत है। सूचनाक्रांति के द्योतक व हमारे मार्गदर्शक प्रबंधन का। हम स्वागत करते हैं उत्कृष्ट वातावरण निर्माण में कदम से कदम मिलाते प्रशिक्षकों का। स्वागत है नवाचार फैलाने वाले नव-आचार्यों का। खुले हैं स्वागत हेतु द्वार प्रयोग-धर्मी शिक्षकों के लिए और आवाहन है, आओ कर्णधार बनो! साक्षी बनो! सहभागी बनो! देश की दशा को दिशा देने के राष्ट्र यज्ञ में। हे पुरोहितो! स्वागत है आपके उस चिरंतर ज्ञान धारा का जिसने शास्त्रों की रक्षा हेतु शस्त्रों का भी ज्ञान दिया। धर्म-भय में धर्म-भीरू हुये समाज के पुरूषार्थ को जागरण करने वाले मनस्वी शिक्षकों का। सदैव गुरुकुल का मानस्तंभ स्वागत करता है और बोध कराता है कि "नीचे नहीं ऊपर भी देखो जहां उत्थान है निकट ही नहीं दूर भी देखों जहाँ क्षितिज है।"

स्वागत है स्वतंत्रता आन्दोलन के साक्षी परिसर में ज्ञानपिपासु समस्त आगंतुकों का जहाँ लघु के प्रयोग से विभु की ओर, अंधकार से प्रकाश की ओर, प्रस्थान की सीख सहज ही मिलती है। नवीन सत्र में सर्वसमाज व वर्ग के धनी निर्धन नगरीय-ग्रामीण-वनांचल निवासी छात्र-छात्राओं का स्वागत है। गुरुकुल सभी का, सभी के लिए स्वागतातुर है। प्रतिभा सम्पन्न छात्र-छात्रा धनाभाव में नैराश्य के भँवर से निकलें, गुरुकुल उनकी प्रतिभा का आवाहन व स्वागत करता है।

जब समाज में जाति, धर्म और सीमाओं के झगड़े हो रहे हों, भाषा के आधार पर भारत बँट रहा हो, लोगों को शासकीय परावलंबन की मृगतृष्णा रुपी योजनाओं में स्वयं के पुरुषार्थ से अधिक भरोसा होने लगा हो, ऐसी विषम परिस्थितियों में भावी समाज सेवी छात्रों का स्वागत है। राजनीति का ज्ञान जब लोक लुभावन हो, विलासिता और जाति आधारित नेतृत्व जब फलफूल रहा हो, जब लोकतंत्र के नुमाइंदों को ही लोक व तंत्र में आस्था न हो, तब गुरुकुल स्वागत करता है भावी राजनीति के निर्धारक छात्रों का।

जब अर्थ हा अनर्थ का कारक बने, शिक्षा लक्ष्मी की दासी दिखे केवल भौतिकता की होड़ में, नौकरी की दौड़ में, युवा मन रट्टु तोता बना कोचिंग के चक्कर लगा रहा हो तो स्वाभिमानी भावी अर्थशास्त्री छात्रों का गुरुकुल स्वागत करता है। समाजिक चुनौतियों कुरीतियों, अंधविश्वास से मुक्त समाज के पिछड़े बंधु-बाँधवों को गले लगाकर समताभाव जागरण करने वाले युवा मनों का बारंबार स्वागत है।

वैज्ञानिक, सत्यान्वेशी, आद्यतन ज्ञानानुरागी, प्रयोगधर्मी, प्रसन्नचित्त मन से सेवा द्वारा जीवन सार्थक करने वाले मनस्वी जनों का बारंबार स्वागत है...स्वागत है....।

सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामया।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु, मा कश्चित् दुःखभाग् भवेत्।।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर योग की मुद्रायें

गुरुकुल विद्यालय के प्रागंण में योग दिवस का नजारा अद्भुत था। माध्यमिक विभाग के सैंकड़ों छात्र-छात्राओं ने योग शिक्षक श्री संतोष पुरोहित के मार्गदर्शन में योग की मुद्रायें की। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्री राजकुमार नामदेव ने विद्यार्थियों को हमेशा तन और मन से स्वस्थ रहने के लिये योग करने की मात्र शिक्षा नहीं दी अपितु स्वयं ने भी अनेकानेक मुद्रायें करके बताईं। इस अवसर पर कक्षा छठवीं, सातवीं एवं आठवीं के विद्यार्थी सम्मिलित हुए। ध्यातव्य हो कि योग दिवस के अवसर पर पं. के. सी. शर्मा विद्यालय में आयोजित ब्लॉक स्तरीय कार्यक्रम में संस्था प्राचार्य श्री राजकुमार नामदेव के मार्गदर्शन में श्री एच. के. अग्निहोत्री एवं सोनिका जैन के सहयोग से एन.सी. सी. की छात्र यूनिट एवं छात्रा यूनिट ने भाग लिया।

प्राथमिक विद्यालय के नवीन भवन का भव्य उद्घाटन

श्री पार्श्वनाथ जैन गुरुकुल प्राथमिक विद्यालय के अत्याधुनिक सर्वसुविधायुक्त नवीन भवन का उद्घाटन समारोह 19 जून को मांगलिक विधि विधान के साथ सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विशेष बात यह रही कि उद्घाटन का कार्य संस्था प्रमुख श्रीमंत धर्मेन्द्र जी सेठ साहब के सान्निध्य में विद्यालय के ही कक्षा एल.के.जी. एवं यू.के.जी. के छात्र-छात्राओं द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमंत हर्षिल सेठ, गुरुकुल प्राचार्य श्री राजकुमार नामदेव, ज्ञानोदय प्राचार्य श्री विनय अग्रवाल, संस्था प्रबंधक श्री अरूण जैन एवं प्रधान अध्यापक श्री अशोक कुमार जैन की उपस्थिति ने कार्यक्रम को गौरव प्रदान किया।

एक समय में एक काम करो और ऐसा करते समय अपनी पूरी आत्मा उसमें डाल दो और बाकी सब कुछ भूल जाओ।

असफलताओं की भी कहानी है

-अकील खान

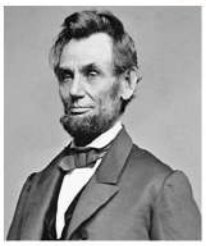

हर व्यक्ति बड़ी आसानी से महान नहीं बन जाता है, वह बहुत मेहनत करके तो कई बार असफलताओं की बाढ़ को पार करके सफलताओं के द्वीप पर पहुँचता है। यह सन्देश उन सभी विद्यार्थीयों के लिये है जो किसी न किसी कारण से कहीं न कहीं असफल हो जाते हैं। यदि आसानी से सफलतायें मिलने लगे तो कोई भी व्यक्ति परिश्रम ही नहीं करेगा। तो आईये आज एक ऐसे ही व्यक्त्वि से आपको रुबरु कराते हैं जिनको सफलता कम और असफलतायें ज्यादा मिली परन्तु उन्होंने परिश्रम करना नहीं छोड़ा।

यह कहानी है उस इंसान की जिसकी जिंदगी का हर किस्सा बड़ा मशहूर है। एक 21 बर्षीय युवा जो व्यापार करने जाता है तो असफल हो जाता है। 22 बर्ष की उम्र में चुनाव लड़ता है तो उसमें भी हार का ही मुंह देखना पड़ा। 24 बर्ष की उम्र में फिर व्यापार में असफलता ही हाथ लगी। 26 बर्ष की उम्र में ही उनकी जीवन साथी का देहावसान हो गया। 27 बर्ष की उम्र में उनका मानसिक संतुलन बिगड़ गया परन्तु जब भी हार नहीं मानी और 34 साल में पुनः चुनाव लड़े जिसमें हार ही हाथ में आई। 45 बर्ष की उम्र में फिर उन्हें सीनेट के चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। 47 बर्ष की उम्र में फिर पूरे उत्साह से उपराष्ट्रपति का चुनाव लड़ा परन्तु उसमें भी सफल नहीं हुए। 49 बर्ष की आयु में उन्होंने सीनेट के चुनाव में फिर नाकामयाबी मिली, अब तक तो ऐसा लगने लगा कि मानो यह व्यक्ति और असफलता एक दूसरे के पूरक से हो गये थे लेकिन वह हार मानकर बैठे नहीं और फिर एक बार पूरी मेहनत, लगन, उत्साह से राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा लेकिन इस बार उन्हें हार नहीं मिली और अंत में जाकर 52 बर्ष की आयु में वे अमेरीका जैसे महाशक्ति के राष्ट्रपति पद को ग्रहण कर पाये, और वह व्यक्ति और कोई नहीं अपितु अब्राहिम लिंकन ही है।

अब हम आपसे पूँछना चाहते हैं कि क्या आप अब्राहम लिंकन को असफल मानेंगें। वैसे तो वह शर्म से सिर झुकाकर अपनी वकालत प्रारंभ कर सकते थे परन्तु उनका लक्ष्य तो कुछ और ही था इसलिये उन्होंने पुरुषार्थ करना नहीं छोड़ा और अंत में अपने इरादों को पूरा कर राष्ट्रपति बन सके। अब्राहम लिंकन के लिए हार केवल एक भटकाव थी, सफर का अंत नहीं।

एस. पी. जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, खुरई
छात्र-अभिभावक सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण समय सारणी

दिनाँक	समय	कक्षा
07.07.2017	11:00 से 12:00	IX A
	01:00 से 02:00	IX B
	03:00 से 04:00	IX C
08.07.2017	11:00 से 12:00	IX D +IX E
	01:00 से 02:00	X A
10.07.2017	11:00 से 12:00	X B
	01:00 से 02:00	X C
	03:00 से 04:00	X D
11.07.2017	11:00 से 12:00	XI Math
	01:00 से 02:00	XI Bio.+XI Art
	03:00 से 04:00	XI Com.
12.07.2017	11:00 से 12:00	XI Ag.
	01:00 से 02:00	XII Math (A)
	03:00 से 04:00	XII Math (B)+Bio.
13.07.2017	01:00 से 02:00	XII Com.
	03:00 से 04:00	XII Ag.

नोट- समस्त अभिभावक तय दिनाँकों में समय पर विद्यालय में उपस्थित होने का कष्ट करें। अभिभावक की उपस्थिति में ही आई डी एवं पासवर्ड दिया जायेगा।

गुरुकुल द्वारा सम्मानित छात्र सुभाष कुर्मी

एस. पी. जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के छात्र सुभाष कुर्मी को कक्षा दसवीं में सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने पर विद्यालय परिवार ने 15400 रुपये की राशि का चेक देकर सम्मानित किया। ध्यातव्य हो कि गुरुकुल संस्था प्रमुख श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ के निर्णयानुसार संस्था प्राचार्य डॉ. राजकुमार नामदेव ने यह घोषणा पहले ही की थी कि जो विद्यार्थी सर्वश्रेष्ठ अंकों से उत्तीर्ण होगा उसकी उस वर्ष की सम्पूर्ण शिक्षा का व्यय संस्था देगी, इस घोषणा के पीछे संस्था का मात्र यह उद्देश्य था कि विद्यार्थियों में प्रतियोगिता की भावना, शिक्षा (अध्ययन) के प्रति उत्साह एवं सर्वश्रेष्ठ करने की प्रेरणा विकसित हो सके। उसी के अंतर्गत यह सम्मान छात्र सुभाष कुर्मी को प्राप्त हुआ।

डी. लिट. की उपाधि से सम्मानित

एस. पी. जैन गुरुकुल उच्च. मा. वि. के प्राचार्य श्री राजकुमार नामदेव को साउथ अमेरिका विश्वविद्यालय से संबंधित डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं विकास संस्थान, नई दिल्ली की अनुशंसा के आधार पर यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ अमेरिका द्वारा ग्रामीण क्षेत्र की शिक्षा व २१वीं सदी के अनुरुप शिक्षकों को प्रशिक्षित करने संबंधी सेवाओं, लेखों, पत्रों के लिए मानद् डी. लिट. की उपाधि से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर उन्हें अनेकानेक शुभकामनायें प्रदान की।

सम्पादकीय

सफलता का प्रथम सोपान: जिज्ञासा

-प्रयंक जैन

जिज्ञासा शब्द ७ स्वर व्यंजन अक्षरों से मिलकर बना है। इस शब्द का प्रयोग हिन्दी में संज्ञा के रुप में किया जाता है और यह स्त्रीलिंग वर्ग में आता है। इसकी उत्पत्ति संस्कृत भाषा में ज्ञा धातु सन् प्रत्यय टाप् प्रत्यय (ज्ञा+सन्+अ+टाप्) से हुई है, जिसका अर्थ जानने की इच्छा, कुतूहल, कौतुक या ज्ञानेप्सा है। 'जिज्ञासा' अर्थात् जानने की इच्छा, वक्तव्य या अवक्तव्य विषयों को जानने की चेष्ठा या यूँ कहा जाये कि जो कुछ नया विषय या रोचक विषय कान में पड़े उस विषय में विशेष रुचि जागृत होना ही जिज्ञासा है। वास्तव में यदि देखा जाये तो एक व्यक्ति की न ही कभी जिज्ञासा शांत होती है और न ही सीखना कभी बंद होता है। हमेशा कुछ नया करना, सीखना, ग्रहण करना कहीं न कहीं जिज्ञासा से ही ताल्लुक रखते हैं।

कोई शहर का व्यक्ति किसी गांव के व्यक्ति के पास जाकर पूछे कि क्या तुमने इण्डिया गेट देखा है? लाल किला देखा है? राष्ट्रपति भवन, कुतुबमीनार देखा है? और यदि उस गाँव के व्यक्ति ने इन ऐतिहासिक इमारतों को नहीं देखा होगा तो उसके मन में इन कही हुई समस्त इमारतों को देखने के प्रति लालसा होगी। जल्दी से जल्दी उनको देखने की इच्छा होगी और वास्तव में उस लालसा को उस इच्छा को ही दुनिया में जिज्ञासा का नाम दिया गया है।

जिज्ञासा मनुष्य के अंदर आदिकाल से ही विद्यमान रही है। मनुष्य सदैव से ही क्या, कौन और कैसे के उत्तर खोजने में लगा रहा है। सबसे पहले पहिए का आविष्कार हुआ था, जो जिज्ञासा का ही परिणाम था। मनुष्य में मुख्यतः दो प्रकार की जिज्ञासाएँ होती हैं। पहली वह होती है जिसमें भौतिक ज्ञान की अभिवृद्धि होती है। अंग्रेजी भाषा में एक कहावत है जिसका आशय है-जिज्ञासा ज्ञान की माता है। वास्तव में संसार में जितना भी ज्ञान और विज्ञान हमें दिखाई देता है उसके पीछे मनुष्य की जिज्ञासा की ही महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

प्रिय विद्यार्थियो इस बार गुरुकुल का सम्पूर्ण वर्षभर का लक्ष्य है "जिज्ञासा उत्पन्न करना"। अर्थात् आप केवल पुस्तकीय ज्ञान को अर्जित न करें अपितु उनके अतिरिक्त कुछ नया खोजें, कुछ नया अर्जित करें। आज हमारे विद्यालय में एक सर्वसुविधा युक्त वृहद पुस्तकालय है और आपका पुस्तकालय का कालखण्ड भी लगता है, अतः आप सभी से यह कहना है कि आप अपनी-अपनी पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त जो विषय आपको रुचिकर हो उनसे संबंधित कम से कम पाँच पुस्तकों का अध्ययन जरुर करें। साथ ही साथ अपने विषय संबंधी किसी भी प्रकार के उत्पन्न प्रश्न को पूछें, खोजें और उसके निष्कर्ष तक पहुँचें।

शिक्षक प्रशिक्षण शिविर-2017 के अवसर पर पढ़ाये गये विषयों पर आधारित श्री राकेश जैन द्वारा रचित लोकगीत-

लगो शिविर गुरुकुल में.....

साहित्य सृजक गुणी जनों से, यह समाज की चाह।
लौकिक शिक्षा साथ में, नैतिक गुण विकसात।।

लगो शिविर गुरुकुल में नव ज्ञान जानके।

शिक्षा की किस्में प्राचार्य जी पढ़ा रहे।
नई-नई बातों से अवगत करा रहे।।
सेठ जी सिखा रहे है वैज्ञानिक बनाइवे।। लगो शिविर....

किशोरों की शिक्षा को खां साहब बता रहे।
लिखावट सुधारो अग्निहोत्री पढ़ा रहे।।
देवें सीख प्राचार्य शिक्षा प्रसार वे।। लगो शिविर.....

पेपर बनाओ कुर्मी जी बतायें।
ब्लू प्रिंट आधारित प्रश्न रचाये।।
व्यक्तिगत, साहित्यिक गुणों के बनाइवे।। लगो शिविर.....

राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत मतलब समझा रहे।
सरस्वती वंदना और प्रार्थना गा रहे।
लक्ष्य ही यह गुरुकुल का नैतिक बनाइये। लगो शिविर.....

खुद के अपयश का दोष दूसरों पर मत मढ़ो

स्वामी विवेकानन्द

रामकृष्ण मिशन के संस्थापक

प्रत्येक कुटुम्ब में एक संचालक होता है। इनमें से कोई-कोई संचालक घर चलाने में यशस्वी होते हैं, कोई-कोई नहीं। ऐसा क्यों? हमें जब अपयश मिलता है तो हम दूसरों को कोसते हैं। ज्योंहीं असफलता मिलती है, मैं कह उठता हूँ अमुक-अमुक मेरे अपयश के कारण हैं। अपयश पर मनुष्य अपना दोष स्वीकार नहीं करना चाहता। प्रत्येक मनुष्य यह दिखाने की कोशिश करता है कि वह निर्दोष है और सारा दोष वह किसी मनुष्य पर, किसी वस्तु पर और अंततः दुर्देव पर मढ़ना चाहता है। जब घर का प्रमुख कर्ता सफलता प्राप्त नहीं कर सके तो उसे सोचना चाहिए कि कुछ लोग अपना घर अच्छी तरह चला सकते हैं, दूसरे क्यों नहीं।

स्वागत है इस नये सत्र में.....

-हरिओम तिवारी

देश का भविष्य हो तुम, गुरुकुल का सर्वस्व हो तुम।
फुलवारी हो इस आँगन की, शिक्षा संसार का महत्व हो तुम।।
आओ कदम बढ़ायें शिक्षा पथ पर अडिग रहें।
अपने और देश के लिए अज्ञानता का तिमिर हरें।।
आशा है इस आशा को मिलकर सब पूर्ण करोगे तुम।
अज्ञानता के अंधकार का निश्चित ही नाश करोगे तुम।।
स्वागत करता हूँ तुम सबका, इस नये सत्र के अवसर पर।।
बढ़ते रहना प्रतिक्षण यूँ ही, जीवन के प्रगति पथ पर।

किसी चीज से डरो मत, तुम अद्भुत काम करोगे, यह निर्भयता ही है जो क्षण भर में परम आनंद लाती है।

गुरुकुल समाचार

प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न एवं कम्प्यूटर लेब का उद्घाटन

एस. पी. जैन गुरुकुल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 12 जून से 17 जून तक शिक्षक प्रशिक्षण शिविर सानन्द सम्पन्न हुआ। इस प्रशिक्षण शिविर को प्रेरणा, शिक्षण, चर्चा, अभ्यास, चलचित्र एवं शिक्षण समाधान, मूल्यांकन इन छः कालखण्डों में विभजित किया गया था। जिसके अंतर्गत विद्यालय में होने वाली शैक्षिक गतिविधियों को श्रेष्ठ से और श्रेष्ठतम कैसे बनाया जाया, इस विषय पर शिक्षा जगत के अनेकानेक मनीषी विद्वानों का मार्गदर्शन भी सभी को प्राप्त हुआ। इस अवसर पर संस्था प्रमुख श्रीमंत सेठ धर्मेन्द्र जी जैन, संस्था प्राचार्य श्री आर. के. नामदेव, उपप्राचार्य श्री अशोक जैन, श्री एच. के. अग्निहोत्री, श्री राकेश जैन, श्री प्रवीण जैन, श्री इरशाद खान, श्री अरविन्द कुर्मी, श्रीमती वनिता श्रीवास्तव आदि का उद्बोधन प्राप्त हुआ। इस अवसर पर श्रीमंत सेठसाहब ने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि "आज शिक्षकों को छात्रों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने की आवश्यकता है। इसके लिये हमें अपनी पूर्व धारणाओं को पीछे रखते हुए विज्ञान के साथ कदम से कदम मिलकर चलना पड़ेगा। साथ ही इस बात पर भी बल दिया जाये कि विद्यार्थियों को केवल परीक्षा परिणाम हेतु तैयार न किया जाये अपितु उनका अध्ययन जीवनोपयोगी भी बनना चाहिए।"

17 जून को प्रशिक्षण शिविर समापन के अवसर पर विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर शिक्षा हेतु 50 कम्प्यूटर से सुसज्जित एक लेब का उद्घाटन हुआ। लेब का उद्घाटन विद्या भारती मध्यक्षेत्र के क्षेत्रीय सचिव श्री विवेक जी शेण्डे एवं श्रीमंत धर्मेन्द्र सेठ के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर संस्था प्राचार्य श्री आर. के. नामदेव, उपप्राचार्य श्री अशोक कुमार जैन, श्री अरविन्द मोदी एवं समस्त शिक्षक गण उपस्थित थे। अंत में आमंत्रित अतिथि श्री शेण्डे जी को संस्था द्वारा श्रीफल, शॉल, प्रतीक चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

एस. पी. जैन गुरुकुल उच्च. मा. विद्यालय, खुरई — बोर्ड परीक्षा 2016-2017 का परिणाम

कक्षा	विषय	कक्षा परिणाम	स्थान	नाम	प्राप्तांक
12वीं	गणित	100%	प्रथम	प्राची जैन/श्री राजेश कुमार जैन	452/500
			द्वितीय	चन्द्रभान सिंह/श्री किशन सिंह	450/500
			तृतीय	सपना कुर्मी/शीलचंद कुर्मी	440/500
	बायो.	92%	प्रथम	आशीष राजपूत/श्री संतराम राजपूत	446/500
			प्रथम	लव केशरवानी/श्री जयकुमार केशरवानी	446/500
			द्वितीय	सुमी जैन/श्री राजेन्द्र कुमार जैन	442/500
			तृतीय	रिंशी जैन/श्री राजेश कुमार जैन	434/500
	कॉमर्स	100%	प्रथम	भारती दांगी/श्री कुँवरसिंह दांगी	420/500
			द्वितीय	दीक्षा लोधी/श्री कल्याणसिंह लोधी	410/500
			द्वितीय	सागर जैन/श्री ऋषभ जैन	410/500
			तृतीय	साक्षी राजपूत/श्री निजामसिंह राजपूत	404/500
	कृषि	100%	प्रथम	अमन चौरसिया/श्री संतोष चौरसिया	439/500
			द्वितीय	राजेन्द्र पटैल/श्री पप्पूसिंह पटैल	429/500
			तृतीय	समर्थ जैन/श्री राजेश जैन	421/500
10वीं		88%	प्रथम	सुभाष कुर्मी/श्री जितेन्द्र कुर्मी	562/600
			द्वितीय	पूजा जैन/श्री नवीन जैन	543/600
			तृतीय	अनिकेत रिछारिया/श्री मनोज रिछारिया	539/600
			तृतीय	सेजल अग्रवाल/श्री विजय अग्रवाल	539/600

हाईस्कूल मध्यप्रदेश का औसत परिणाम- 49.8%
हाईस्कूल गुरुकुल का औसत परिणाम- 88.0%

हायर सेकण्डरी मध्यप्रदेश का औसत परिणाम- 64.10%
हायर सेकण्डरी गुरुकुल का औसत परिणाम- 98.9%